गोवर्धन पर्वत उठाते हुए श्रीकृष्ण की झांकी देखने भक्तों की तौबा भीड़

आजाद हिंद मंडल की श्रीकृष्ण लीला झांकी विशेष आकर्षण

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 सितंबर- स्थानीय बुधवारा का आजाद हिंद मंडल इस वर्ष अपने 96वें वर्ष में पदार्पण कर रहा है. ऐसे में मंडल की ओर से अपनी परंपरा अनुसार इस वर्ष भगवान श्रीकृष्ण लीला के अंतर्गत श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की झांकी को देखने हेतु गणेश भक्तों की तौबा गर्दी उमड़ रही है. मंडल द्वारा गणेशोत्सव के दौरान भिन्न-भिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. जिनके अंतर्गत 23 सितंबर को श्री राधा रमन ग्रुप की ओर से शानदार भक्तिगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. उसी प्रकार 24 की श्याम को प्रसिध्द श्वसन विशेषज्ञ डॉ. परीक्षित ठाकरे व उनकी टीम ने स्वास्थ्य जांच शिविर में 100 से अधिक व्यक्तियों की जांच कर उन्हें मुफ्त दवाइयां वितरित कीं. मंडल की आकर्षक झांकी देखने हेतु पुलिस आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी, विधायक बच्चू कडू, सांसद डॉ. अनिल बोंडे, डॉ. वसुधा बोंडे ने मंडल को भेंट देकर श्रीजी के दर्शन किए. इस अवसर पर मंडल के कार्याध्यक्ष पूर्व महापौर विलास इंगोले, उपाध्यक्ष पूर्व सांसद अनंतराव गुढे, कोषाध्यक्ष डॉ. किशोर फुले दिलीप दाभाडे, सचिव दिलीप कलोती, पूर्व विधायक प्रदीप वडनेरे, राजाभाऊ माजलगांवकर, प्रकाश संगेकर, चंदू पवार, विवेक कलोती, ज्ञानेश्वर हिवसे, नंदू गुंबले, शैलेश अग्रवाल, किशोर कलोती, संतोष बद्रे आदि सहित गणेशोत्सव के अध्यक्ष विजय भूतड़ा, स्वागताध्यक्ष सुभाष पावडे, कार्याध्यक्ष एड. ब्रिजेश तिवारी, उपाध्यक्ष डॉ. रविभूषण, प्रवीण मानेकर, सचिव संतोष चिखलकर, कोषाध्यक्ष निलेश वानखड़े, उसी प्रकार सहसचिव राहुल कथलकर आदि सहित मंडल के पदाधिकारी व असंख्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

शहर के अनेक भागों में अतिक्रमण निर्मूलन कार्रवाई

बड़े प्रमाण में सामग्री जब्त

अमरावती, 25 सितंबर - सोमवार को मनपा के अतिक्रमण पथक प्रमुख योगेश कोल्हे के मार्गदर्शन में अतिक्रमण विभाग की ओर से चौधरी चौक, मालवीय चौक, नगर वाचनालय, गांधी चौक, टांगा पड़ाव, बापट चौक, रूक्मिणी नगर, प्रभात चौक, राजकमल से अंबादेवी रोड, कॉटन मार्केट, विलास नगर, शेगांव नाका से कठोरा रोड आदि क्षेत्रों में अतिक्रमण निर्मूलन की कार्रवाई की गई. कार्रवाई के अंतर्गत सड़क के दोनों ओर अतिक्रमित सामग्री जब्त की गई. कार्रवाई में अतिक्रमण विभाग के कर्मचारी व पुलिस कर्मचारी उपस्थित थे.

जेपीएस होंडा द्वारा वाहन 'एसपी 160' का भव्य लोकार्पण

अमरावती, 25 सितंबर- भारत देश में नं. 1 की ओर अग्रेसर होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के अमरावती जिले के अधिकृत विक्रेता अमरावती रेलवे स्टेशन के सामने स्थित जेपीएस होंडा द्वारा विदर्भ के राजा के प्रांगण में होंडा की नयी दुपहिया वाहन 'एसपी 160' का भव्य लॉन्चिंग का कार्यक्रम किया गया. अमरावती जिले के शिवसेना सह संपर्क प्रमुख दिनेश बूब की प्रमुख उपस्थिति में एवं उनके हस्ते कार्यक्रम किया गया. इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अमरावती जिले के शिवसेना सह संपर्क प्रमुख दिनेश बूब रहे और नये वाहन का लोकार्पण किया गया. एक साथ 5 ग्राहकों को अतिथि दिनेश बूब एवं संचालक गट्टानी परिवार के हस्ते वाहन की चाबी प्रदान की गई. संचालक पवन गट्टानी, पंकज गट्टानी, श्रवन गट्टानी ने अतिथि का स्वागत किया. मंच संचालन गोपाल धूत ने किया. इस नये वाहन का लोकार्पण होते ही ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी. अभी हाल ही में होंडा कंपनी के कई मॉडल नयी तकनीक के साथ उपलब्ध किये गये. उस दिशा में एक और इस नए मॉडल का इंतजार ग्राहकों को बहुत समय से था उसका लोकार्पण किया गया. सभी उपस्थित लोगों ने इस वाहन को बहुत सराहा. 'एसपी 160' यह एक मोटर साइकिल 160 सीसी इंजन, एलईडी हेड लैंप, एडवांस डिजिटल मीटर, आइकोनिक एलईडीटेल लैंप, मोनो शॉक सस्पेंशन व और भी विशेषताओं से परिपूर्ण है. कार्यक्रम में सेल्स मैनेजर संदीप टिंगने, सर्विस मैनेजर सचिन वरुड़कर, अन्य सेल्स टीम सदस्य उपस्थित रहे. जेपीएस होंडा द्वारा सभी से निवेदन किया गया है की होंडा की नयी मोटर साइकिल 'एसपी 160' वाहन की अधिक जानकारी एवं टेस्ट राइड के लिए शोरूम पर भेंट देवे.

गोवर्धननाथ हवेली में धूमधाम से मना 'श्री राधाष्टमी' उत्सव

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 सितंबर- रायली प्लॉट स्थित श्री गोवर्धननाथजी हवेली में श्री राधाष्टमी का उत्सव श्री यमुनाजी के संगीतमय 41 पदों के साथ धूमधाम से मनाया गया. 41 पदों का गान विजयभाई धानक ने किया और वाद्यवृंद का आयोजन फूलमंडली की ज्योतिबेन गगलानी, श्यामा दम्माणी, शकुंतलाबेन दम्माणी, कश्मीराबेन सेठ, लक्ष्मीबेन करवा, निरूबेन राजकोटिया, धीरीबेन राजकोटिया, नीतूबेन लाखानी, अरुणाबेन नदियाना, रश्मिबेन मेहता, नेहाबेन टापर, उमा झंवर, मिनाक्षीबेन सांगाणी ने किया. इस भव्य आयोजन में शिल्पाबेन पारेख, भारती राजा, इंदूबेन मालवीया, कल्पना पलेजा, नेहाबेन राजा, अरुणाबेन वोरा, रजनी खत्री, पूर्वाबेन गगलाणी, गीताबेन शेठ, पूजा वोरा, तरूबेन तन्ना, वंदनाबेन दम्माणी, सरोजबेन पारेख, किरणबेन सेठ, नेहा काटकोरिया, हिना बाबरिया, दीना चावड़ा, ज्योत्सना लोहिया, नीता गगलानी, दिशा लोहिया, भावना वसतानी, परतवाड़ा, तनीषा वसतानी, रजनी धाबलिया, नीता कारिया, दीप्ति पलेजा, दीप्ति मुंधड़ा, शशि मुंधड़ा, एकता बाबरिया, अल्पा राजकोटिया, मानसी जनानि, सोनल जसापारा, पलक शाहा, नेहा हिंडोचा, निशा तन्ना, मंगला राठी, नूतन सांगाणी, दिव्याबेन गगलाणी, गीताबेन झवेरी आदि उपस्थित थीं.

मूसलाधार बारिश से बर्बाद फसलों का मुआवजा दें

चिखलदरा के एकलाई किसान व ग्रामवासियों की मांग

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 सितंबर - चिखलदरा तहसील के एकलाई गुट ग्राम पंचायत अंतर्गत एकलाई, सलीता, कुटिदा, सुमीता, भांडूम जैसे आदिवासी इलाकों में रहने वाले किसानों को 15 मार्च तथा 16 सितंबर को मूसलाधार बारिश के साथ तेज हवाओं का सामना करना पड़ा था. इन इलाकों की नदियों को बाढ़ आई थी. जिससे परिसर की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा था. अत्याधिक बारिश के कारण फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी थी. खेत में जलजमाव हो चुका था. नैसर्गिक आपदा के कारण किसानों की सोयाबीन, मक्का, धान व अन्य फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी थीं. इस नैसर्गिक आपदा ने किसानों के विशेष कर आदिवासी किसानों के पेट भरने का एकमात्र साधन नष्ट कर दिया था. जिसके कारण अब इन इलाकों के किसानों तथा उनके परिवार पर भुखमरी की नौबत आई है. किसानों की फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण कर पंचनामा करें तथा गरीब आदिवासी किसानों को तत्काल मुआवजा प्रदान करने की मांग की गई. ज्ञापन सौंपते समय चंपालाल शेरेकर, राम ढिगर, केंडे सावलकर, भोग्य बेठेकर, राजाराम बेठेकर, संतोष कौतिककर समेत एकलाई गुट ग्रापं अंतर्गत कई किसान उपस्थित थे.

स्थानों को मनोरम अनुभवों में बदलना हमारा जिम्मा

साक्षात्कार: इंटीरियर आर्किटेक्ट पीयूष चांदवानी ने बताया, पीनिक डिजाइन स्टूडियो का मैग्जीन में चमका नाम

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अमरावती, 25 सितंबर - इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में पीयूष सुरेश चांदवानी अपनी दूरदर्शी सोच व कुशलता की बदौलत केवल अमरावती ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश तक अपने हुनर का कमाल दिखा रहे हैं. स्थानीय नेक्स्ट लेवल मॉल में पीनिक डिजाइन स्टूडियो के नाम से इंटीरियर आर्किटेक्ट के रूप में कार्य करते हैं, जो लक्जरी आवासीय व कमर्शियल इंटीरियर में विशेषज्ञता वाली एक प्रतिष्ठित फर्म है, जो उनकी अद्वितीय डिजाइन संवेदनशीलता और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है. स्थानों को मनोरम अनुभवों में बदलने की उल्लेखनीय प्रतिभा के साथ, 28 वर्षीय पीयूष ने इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में अत्यल्प अवधि में अपना नाम चमकाया है.

बांग्लादेश में बंगलो का इंटीरियर डिजाइन

28 वर्षीय युवा पीयूष चांदवानी ने इंटीरियर डिजाइन की दुनिया में सर्वाधिक प्रसिद्ध इटली से मास्टर ऑफ इंटीरियर डिजाइन की डिग्री प्राप्त की है. जबकि मुंबई के कमला रहेजा कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्किटेक्ट की डिग्री ली है. हालांकि, उन्होंने पोटे पाटिल

आर्किटेक्चर कॉलेज में प्राध्यापक के रूप में भी 3 वर्ष अपनी सेवाएं दीं. लेकिन बाद में उन्होंने अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाने के लिए पीनिक डिजाइन स्टूडियो की स्थापना की. साक्षात्कार में पीयूष ने बताया कि, मेरी शिक्षा ने मेरे करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वर्तमान में 8 से 10 प्रोजेक्ट कर रहे हैं. जिसमें 30 रो-हाऊस, 5 बंगलो, अपार्टमेंट, 2 आफिसेस का इंटीरियर कर रहे हैं. सबसे बड़ी बात पीयूष बांग्लादेश में 1 बंगलो का इंटीरियर डिजाइन का जिम्मा संभाल रहे हैं.

अब तक 3 अवार्ड

अमरावती के जाने-माने व्यवसायी सुरेश चांदवानी के सुपुत्र व मनोज चांदवानी के भतीजे पीयूष ने 'प्रतिदिन अखबार व वृत्त केसरी' के कार्यालय में दिए साक्षात्कार में विस्तार से जानकारी दी कि, आर्किटेक्चर डायजेस्ट इंडिया में उनके उत्कृष्ट इंटीरियर डिजाइन की दखल ली गई, इस मैग्जीन में उनका नाम आने से उन्हें बांग्लादेश निवासी प्रमीति आलम से बंगलो के इंटीरियर डिजाइन का जिम्मा मिला. बेस्ट ऑफ डिजाइन के लिए पीयूष चांदवानी को अब तक 3 पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. नवोन्मेषी डिजाइन और अद्वितीय रचनात्मकता के क्षेत्र में इंटीरियर आर्किटेक्ट पीयूष चांदवानी बताते हैं कि, मैं आगे आने वाली अनंत संभावनाओं को लेकर उत्साहित हूं और आवासीय व वाणिज्यिक इंटीरियर डिजाइन की सीमाओं को और भी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं. उन्होंने बताया कि, हम इंटीरियर डिजाइनिंग कंसल्टेंसी से लेकर टर्नकी समाधानों तक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं, जो अद्वितीय सपनों का घर तलाश रहे किसी भी व्यक्ति को सेवाएं प्रदान करते हैं. अंत में, पीनिक डिजाइन स्टूडियो सिर्फ एक कंपनी नहीं है, बल्कि स्थानों को शैली और कार्यक्षमता की अनूठी अभिव्यक्तियों में बदलने का एक दृष्टिकोण है. हम आवासीय व वाणिज्यिक प्रकल्प करते समय संबंधित क्लाइंट की जरूरत और पसंद का ध्यान रखते हुए नेचुरल पर फोकस करने पर जोर देते हैं. जिसकी इंटीरियर डिजाइन से शांति की अनुभूति के साथ ही आत्मसंतुष्टि होती है.

सिद्धिविनायक गणेशोत्सव मंडल

अमरावती - कौशिक अग्रवला, अभिषेक जोशी, कपिल अग्रवाल, अभिषेक पंजापी, विक्की अग्रवाल, रोहन अग्रवाल, रितेश व्यास, राजमाधवगढिया, अरुण अग्रवाल, दर्शन अग्रवाल, विनित डिंगोले, तन्मय ठक्कर, रितेश तख्तानी, तरुण तख्तानी, भारत खत्री,

हरिओम गणेशोत्सव मंडल, कृष्ण नगर, गल्ली नं. 2

बाबा तुलसीदास गणेशोत्सव मंडल

शिवरसिक गणेशोत्सव मंडल, राजापेठ,

साईनाथ गणेशोत्सव मंडल, रेलवे स्टेशन चौक, अमरावती

वीर तानाजी गणेशोत्सव मंडल, करन बार, हमालपुरा अमरावती

बाल वीर , गणेशोत्सव मंडल हमालपुरा, अमरावती

वकील लाईन गणेशोत्सव मंडल, जय स्टूडियो, अमरावती

साइबर अपराध पर छात्रों में जागृति

अमरावती, वर्तमान युग में साइबर अपराधों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. साइबर अपराधी नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं. लोगों तथा विद्यार्थियों को साइबर अपराध के बारे में जानकारी देने के लिए पुलिस आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी ने साइबर पुलिस आपके द्वार यह अभियान शुरू किया है. वीएमवी के एनसीसी बटालियन परिसर में महाराष्ट्र एनसीसी बटालियन के द्वारा 10 दिवसीय कैंप आयोजित किया गया. कैंप में विविध शाला, विद्यालय, महाविद्यालय के करीब 400 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. रविवार को पुलिस निरीक्षक गजानन तामटे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक चैतन्य रोकड़े व पुलिस नाईक ताहेर अली ने सभी विद्यार्थियों को साइबर अपराध कैसे घटित होते हैं, इन अपराधों से कैसे बचा जा सकता है, इसकी भी जानकारी दी.

आठवां दिन

उत्तम त्याग धर्म

उत्तम त्याग धर्म से मानव बादलों की तरह ऊर्ध्वगामी शाश्वत सुख प्राप्त करता है जबकि संग्रह से सागरवत अधोगामी असहनीय दुखों को प्राप्त करता है. सच्चे वैराग्य के पश्चात त्याग धर्म जीवन में सहज, सरल हो जाता है. सम्पदा क्षणभंगुर होती है. कर्मविपाक के अनुसार कोई अमीर भी गरीब तथा गरीब भी अमीर हो जाता है. इसलिए धन का उपयोग दया प्रधान धर्म कार्यों में करो. त्याग छपाकर नहीं छिपाकर करो. धन सम्पदा का त्याग, त्यागधर्म नहीं बल्कि दुर्व्यसनों, कुसंस्कारों का त्याग, सच्चा त्याग है. संयत के योग्य ज्ञानादि का दान, त्याग धर्म है. त्याग करना श्रेष्ठ है, पर त्याग के लिए धन संचय श्रेष्ठ नहीं. बाहरी धन-सम्पदा का त्याग साधन है और अंतरंग विषय कषाय, राग-द्वेषादि विकारों का त्याग साध्य है. धन का लालची स्वयं दान नहीं करता है और दूसरों को दान करते देखता तो उसका मन मलीन होता है, अतः त्याग न करने वाला जीव चारों गतियों में भ्रमण करता है. दान मुख्यतः आहार, औषधि, उपकरण और अभय के भेद से 4 प्रकार का होता है. दान में व्यक्ति तीनों लोकों में निश्चय से सारभूत सुख को भोगता है.

अभिनंदन पेंढारी.